इटावा पुलिस

प्रेस नोट- दिनांक 21.02.2026

इटावा पुलिस द्वारा थाना इकदिल क्षेत्रान्तर्गत रेलवे ट्रैक पर मिले अज्ञात शव की पहचान कर घटना का किया गया सफल अनावरण

01 अभियुक्त को हिरासत मे लेकर अग्रिम कार्यावाही प्रचलित।

अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन, कानपुर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर के निर्देशन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के पर्यवेक्षण में एसओजी/सर्विलांस टीम एवं **थाना भरथना** पुलिस टीम द्वारा की गयी कार्यवाही।

घटना /गिरफ्तारी का संक्षिप्त विवरणः-

दिनांक 19/20.02.2026 की रात्रि को थाना इकदिल पर सूचना प्राप्त हुई कि 01 अज्ञात शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर देखा गया तो शव की शिनाख्त मनीष यादव के रुप मे हुई। जिसके संबंध मे पुलिस टीम द्वारा जांच/पडताल की गयी तो ज्ञात हुआ कि मनीष यादव उपरोक्त की गुमशुदगी दिनांक 18.02.26 को समय करीब 20.06 बजे थाना भरथना पर दर्ज है।

घटना के अनावरण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा द्वारा जनपद स्तर से 03 टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीमों द्वारा इसके संबंध मे जांच की गयी तो पाया गया कि प्रकरण प्रेम प्रसंग से सम्बन्धित है। अभियुक्त अभिषेक यादव पुत्र रविन्द्र यादव निवासी केशोपुर कलां थाना इकदिल जो मृतक मनीष को अपनी बहन से बात करने की बात जान गया था तथा अपनी बहन को उसके साथ पूर्व में कहीं देख लिया था इसलिये षडयन्त्र के तहत योजना बनाकर अपने साथी 2. विपिन यादव पुत्र हृदयराम यादव निवासी ग्राम मानिकपुर भीखन थाना इकदिल जनपद इटावा 3. दीपक पुत्र अरविंद कुमार निवासी केशोपुर कलां थाना इकदिल जनपद इटावा के साथ मिलकर मृतक मनीष को लिफ्ट देने के बहाने चार पहिया गाड़ी में बैठाकर दिनांक 18.02.2026 को पूर्वांह में ही थाना इकदिल अन्तर्गत सूनसान जगह पर ले जाकर उसकी हत्या कर दी तथा दूसरे दिन शव को छिपाने तथा साक्ष्य को मिटाने के उद्देश्य से थाना इकदिल क्षेत्रान्तर्गत रेलवे ट्रैक पर रखकर वहां से भाग गये थे एक आरोपी दीपक पुत्र अरविंद कुमार निवासी केशोपुर कलां थाना इकदिल जनपद इटावा को पुलिस हिरासत में लेकर गहनता से पूछताछ की जा रही है ,आरोपी ने पूरी घटना स्वीकार कर ली है शेष दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम रवाना है शीघ्र ही गिरफ्तारी कर प्रकरण में कड़ी विधिक कार्यवाही की जायेगी।

उल्लेखनीय है कि पुलिस के पास 18.02.2026 की शाम को जब परिजन गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाने आये थे उसके पूर्व ही मनीष की हत्या अभियुक्तों द्वारा की जा चुकी थी।